

[Shri A. C. George].

that Unit and they do not form part of the normal pattern. They are of a larger size or their height is much more so that special arrangements will have to be made in coordination with the Railways. We are hopeful that we will be able to find proper carriers and I do not think that this will present any problems.

Towards the end of his remarks he mentioned about payment to the ancillary units. In spite of financial difficulties that were facing the Unit we have taken care to see that the small units which are making ancillaries are paid in time and in fact in some cases even ahead of time. The normal practice is that payment is made only after testing, that is the procedure. But in order to help some ancillary units we are making payments even before the usual tests are made whenever the production is delivered at the BHEL plant. To that extent the ancillaries are not only not discriminated against but they are helped also. The difficulties are not passed on to the ancillaries and our effort is to see that the smaller units thrive and progress so that ultimately with complete coordinated effort a total production pattern which will be good for the country as well as for the BHEL Unit would emerge.

16 10 hrs

STATEMENT BY MEMBER RE  
INFORMATION GIVEN BY RAIL-  
WAY MINISTER ON 5-9-1974

श्री मधु लिमये (बाका) उपाध्यक्ष  
महोदय, 5 सितम्बर, 1974 को प्रतिपक्ष  
के सपादक के खिलाफ श्री पीलू मोदी के  
विधेयाधिकार प्रस्ताव पर अपने भाषण के  
बीरान मैंने चार गुप्त सरकारी दस्तावेजों का  
बिना या या कुछ क्रमों द्वारा लाइसेंस

सहूलियत के किये गये दुरुपयोग का इन में  
उल्लेख था ये दस्तावेज मेज पर रखे जा चुके  
हैं।

इन दस्तावेजों से 3 करोड़ 15 लाख  
रुपये के आयात लाइसेंस का दुरुपयोग साबित  
होता है। चूँकि पालिस्टर फायबर तथा  
स्टेनलेस स्टील जैसी चीजों के आयात पर  
500 प्रतिशत प्रीमियम याने मुनाफा होता  
है, यह स्पष्ट है कि इन फर्मों ने 12 करोड़  
रुपये का कुल फायदा उठाया है।

इन आयात परवानों के दुरुपयोग की  
घटना और उन की जाँच की अवधि 1970  
से लेकर 1974 तक की है।

मैंने कहा था कि उस समय श्री ललित  
नारायण मिश्र, विदेश व्यापार मंत्री थे।  
जब कुछ कांग्रेसी सदस्यों ने मेरे भाषण में  
बाधा डाली और प्रश्न पूछे तब मैंने कहा था  
कि अगर उस समय श्री एल० एन० मिश्रा  
विदेश व्यापार मंत्री नहीं थे तो मैं अपना बयान  
वापस ले लूँगा।

इस बीच श्री एल० एन० मिश्रा सदन में  
पहुँच कर अपनी सीट पर बैठ चुके थे मेरे इस  
भाषण में उन्होंने जोर म बाधा डाली और  
कहा कि "1972 में मैं विदेश व्यापार मंत्री  
नहीं था" ऐसा करने में उन का उद्देश्य यह था  
कि 1972 में दिये गये लाइसेंस के दुरुप-  
योग तथा उन की जाँच के लिये वे जिम्मेदार  
नहीं थे। इस तरह व अगर वे सदन पर  
डालना चाहते थे।

लेकिन बाद में पृच्छा में मुझे पता चला कि  
श्री एल० एन० मिश्रा जून 1970 से जनवरी  
1973 तक विदेश व्यापार मंत्री थे। इन 30  
महीनों की अवधि में विदेश व्यापार मंत्रालय  
में अनगिनत आयात लाइसेंसों के दुरुपयोग  
की घटनाएँ ई हैं। उनमें से कुछ व्यक्तियों का  
वर्णन मेरे द्वारा उल्लिखित गुप्त दस्तावेजों  
में किया गया था।

श्री ललित नारायण मिश्रा ने गलत बयान दिया कि 1972 में वे विदेश व्यापार मंत्री नहीं थे इस गम्भीर गलत बयानी के लिये वे सदन से माफी मांगें और मेरे द्वारा उल्लेख किये गये अत्यांत लाइसेंसों के दुरुपयोग में सजिन घटनाओं से उन का संबंध है उनके प्रति अपनी उचित जिम्मेदारी को खुले तौर पर स्वीकारें।

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI L. N. MISHRA): Mr. Deputy-Speaker Sir, while speaking on Mr. Poiloo Mody's privilege motion against the editor of 'Prati-paksh' on 5th September, 1974 Shri Madhu Limaye *inter alia* stated "Their licences, allotments and pending applications were released. The decision was taken in January, 1970 when Shri L. N. Mishra was the Foreign Trade Minister" (page 15205, 5-9-74 uncorrected). I thought it my duty to remove the erroneous impression and I, therefore, said that I was not the Minister for Foreign Trade in January, 1970. In fact I joined the Ministry of Foreign Trade only on 27th June, 1970. In the uncorrected copy of the verbatim in place of January, 1970, 1972 was reported.

On 6th September, 1974 when a copy of the uncorrected verbatim report was sent to me for necessary correction I substituted 'January, 1970' for '1972' and returned the uncorrected copy of the report to the Editor of Debates within the stipulated time prescribed for the purpose.

It is thus clear that it was not at all my intention to make any misleading Statement in the House.

श्री मधु लिमये : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मैंने नोटिस जिस डायरैक्शन के तहत दिया है उस का लम्बा चौड़ा प्रोसीजर है। पहले क्या होता है:

"A member wishing to point out any mistake or inaccuracy in a statement made by a Minister or

any other member shall, before referring to the matter in the House, write to the Speaker pointing out the particulars of the mistake or inaccuracy and seek his permission to raise the matter in the House."

MR. DEPUTY-SPEAKER: Which I suppose you did.

SHRI MADHU LIMAYE: Yes, I did. Then it says:

"The member may place before the Speaker such evidence as he may have in support of his allegation."

In the Bio-data published by the Lok Sabha Secretariat it is clearly stated that he held the charge of the Foreign Trade Ministry between June 1970 to January 1973.

SHRI L. N. MISHRA: I have said that.

SHRI MADHU LIMAYE: The third rule is:

"The Speaker may, if he thinks fit, bring the matter to the notice of the Minister or the member concerned for the purpose of ascertaining the factual position in regard to the allegation made."

ताकतबुअन पंजीशन क्या हुई। कि यह 1972 में मंत्री थे लेकिन यह कहने है कि मैंने कहा था कि जावरी 1970। तो मतलब यह है कि रिपोर्ट ने झूठा कहा। नहीं। आप टेप बजाइये और इस का फैसला हो जाय। मैंने बहुत ही स्पष्टि: इस में जब किसी सदस्य ने कहा कि उस मगर यह नहीं थे ना मैंने कहा था कि अगर नहीं थे तो मैं वापस लेता, लेकिन 1970 और 1974 कबीब के मामले थे। कुछ मामले ऐसे थे इन के कार्यकाल में दूने इस्वैन्टीगेशन सी० बी० आई० के बारे में धार यहा सदन में धार कहते हैं कि मैं 1972 में नहीं था और क्वायटली उस को करेक्ट करते हैं। बिना आप की इजाजत के इन्होंने इमप्रेशन नहीं दिया है कि रिपोर्ट ने गलत लिखा है।

श्री मधु लिमये :

टप बजाया जाया अगर वह करेक्ट करना चाहते है तो मैं विरोध नहीं करता हूँ वह आप की इजाजत से करेक्ट कर सकते हैं। लेकिन उन को फैक्ट एडमिट तो करना चाहिये कि उन्होंने ने मिस्टेक की।

श्री एल० एन० मिश्र : मैंने कहा था 1972 में मैं था। जून 1970 से लेकर 4 फरवरा 1973 तक मैं विदेश व्यापार मंत्री था। यह बात मैं ने उस दिन भी कही।

श्री मधु लिमये : फिर कहिये मेरी गलती हुई म्लिप थाफ टग हुआ उपाध्यक्ष महोदय, आप कुछ श्रीबखारेशन करेगें हम भी करेक्ट करते हैं, लेकिन झूठ तो नहीं बोलेंगे यहां।

MR DEPUTY-SPEAKER: The Minister has said that in the Uncorrected Report it was mentioned as 'January 1972' but when his attention was drawn ...

SHRI MADHU LIMAYE: Even the word "January" is not there. I remember it is only "1970".

इन का इटेंशन देखिये चूकि जनवरी 1971 की बात पहले आयी थी उन्हें ने जनवरी 1972 कहा। नहीं कहा। केवल 1972 कह।

MR DEPUTY-SPEAKER: You have made your point. Why don't you listen to me. The Minister has said very clearly that in the Uncorrected Report it was mentioned as 'January 1972'.

SHRI MADHU LIMAYE. No You consult the uncorrected report.

MR DEPUTY-SPEAKER Let me tell you what he has said. Why are you getting annoyed? Here he says that in the Uncorrected report it was mentioned as 1972 but when his attention was drawn to it, he corrected it; he changed "1972" to "1970". That is what he said. Whenever we make speeches here there may be some slips of the tongue. But when we see in

the report something that is not correct, it is the normal practice that we take the earliest opportunity to correct it, and he has done it. Therefore, there cannot be any intention of misleading the House.

16.19 hrs.

# RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: We will now take up further consideration of the Reserve Bank of India (Amendment) Bill. Shri M. C. Daga was on his legs.

श्री मधु लिमये (बाका): इस पर मेरा एक ब्यवस्था का प्रश्न है। मैं जब शुरुवार को रिजर्व बैंक बिल के बारे में बोला तो मैंने डिपार्टिडिंग के बारे में कहा क्या पोजिशन है यह जानने की कोशिश की। बाद में ल.इब्रेरी वालों ने रिजर्व बैंक से डा. कूमेट्स ला कर मुझे को दिये, जो वह गहने नहा दे सके क्योंकि दो किस्म के डोकूमेंट्स थे, उस से पता ही नहीं चलता कान सा आइंग फोर्स में है। मैंने शनिवार को पत्र भेजा था रोस्ट से कि मोमवार दोपहर तक मुझे बता दोजिये कि क्या वह नीला कागज वाला, इन फोर्स है या ब्रोचर वाला इन फोर्स है। रिजर्व बैंक वाले कोई भी इतिला हमें देने के लिए तैयार नहीं है। हम लोग क्या करें? हम बोलना नडा चाहते है। तब तक जब तक कि एरेटिक इनफार्मेशन हमें मिल नहीं जाती है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I think, you have made your point.

SHRI MADHU LIMAYE: You pass a stricture on the Reserve Bank Governor. He is trying to deliberately confuse by giving two brochures.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have made the point. It is not a point of order. But, I think, the Deputy Minister will take note of it.